वाद्य यन्त्र के छपने वाले प्रश्न

RAJASTHAN CL

Website

YouTube

Instagram

सम्पूर्ण नोट्स PDF
विषयवार ई-बुक
सभी PDF यहां से डाउनलोड करें

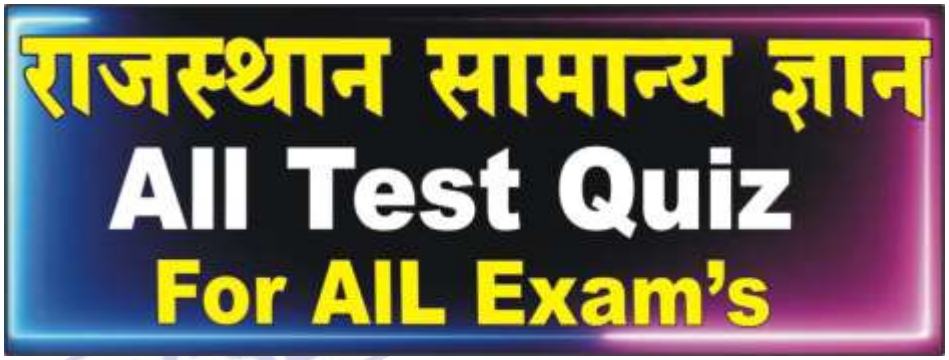
राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AIL Exam's

सामान्य विज्ञान
500 - Questions
PDF डाउनलोड

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी,वनरक्षक,ग्रामसेवक,कृषि पर्यवेक्षक

राजस्थान
360°
Install App :
Rajasthan 360

राजस्थान के लोकवाद्य

तत- जिन वाद्यों में तारो के द्वारा स्वरों की उत्पति होती है

सुषिर- जो वाद्य फूंक कर बजाये जाते है-

ताल- चमड़े पर मढ़े हुए वाद्य

घन – चोट या आघात से स्वर देने वाले वाद्य

RAJASTHAN CLASSES

1. राजस्थान में भोपो का मुख्य वाद्य यन्त्र कौनसा है-

अ. तंदूरा

ब. रावणहत्था

स. अलगोजा

द. कमायचा

RAJASTHAN CLASSES

ब)राजस्थान का सबसे प्राचीन वाद्य,तत वाद्य यन्त्र जिसमे 9 तार होते है,पाबूजी के भोपे उपयोग में लेते है

2. ऐसा वाद्य यन्त्र जिसका आकार चिलम के समान होता है-

अ शहनाई

ब. सिंगी

स. कमायचा

द. घोंसा

RAJASTHAN CLASSES

अ)सुषिर वाद्य में सर्वश्रेष्ट
इसको नफीरी या सुन्दरी भी कहते है

3. मंदिरों व् राजा महाराजाओ के महलों के मुख्य द्वार पर बजाए जाने वाले वाद्य यन्त्र का नाम-

अ. ताशा

ब. नगाड़ा

स. नौबत

द. ढोल

RAJASTHAN CLASSES

स)अवनद्ध्य यन्त्र, मंदिरों में व् प्राचीन काल में युद्ध के समय बजाया जाता था,भैसे की खाल से मढा जाता था

4. तेरहताली नृत्य में उपयोगी वाद्य है-

अ. मंजीरा

ब. चंग

स. झांझ

द. करताल

RAJASTHAN CLASSES

अ)पीतल व् कांसे की मिश्रित धातु से बना, भक्ति कीर्तन में उपयोगी

5. किस नृत्य का प्रमुख वाद्य नगाड़ा होता है-

अ. गैर नृत्य
ब. ढोल नृत्य
स. बम व रसिया नृत्य
द गीदड़ नृत्य

RAJASTHAN CLASSES

स)अलवर भरतपुर में,होली पर नई फसल आन की ख़ुशी में,केवल पुरुषो द्वारा नगाडो की ताल पर

6. कामायचा का संबध निम्न में से किस जाति से है-

अ. मांगनियार

ब. कंजर

स. कालबेलिया

द. कामड

RAJASTHAN CLASSES

अ)सारंगी के समान,नाथपंथी साधू भी भृतहरि गोपीचंद की कथा कमायचा से गाते है,

कमायचा एक इरानी वाद्य यंत्र है

7. सारंगी,नगाड़ा,मंजीरा किस लोकनाट्य शैली के प्रमुख वाद्य है-

अ. स्वांग

ब. नौटंकी

स. भवाई

द. उपयुक्त सभी

RAJASTHAN CLASSES

द)स्वांग/नौटंकी-भरतपुर,भवाई-उदयपुर

8. राजस्थान के प्रसिद्ध (मृदंग) पखावज वादक है-

अ. भानूजी
ब. पंडित पुरुषोतमदास
स. पंडित रामनारायण
द. असगर अलीखान

RAJASTHAN CLASSES

ब)सुपारी व् बड के तने से बना होता है-
रावल भवाई राबिया जाति नृत्य में काम लेते है

9. निम्न में से कौनसा तत वाद्य नही है-

अ रावणहत्था
ब. खंजरी
स. सारंगी
द. जन्तर

RAJASTHAN CLASSES

ब)ताल या अवनद्य वाद्य
ढप का ही छोटा आकार,आम की लकड़ी से बना,
घुमन्तु कबीले अधिक प्रयोग लेते है

10. तारो के द्वारा स्वरों की उत्पति हो वो वाद्य कहलाता है-

अ. तत वाद्य
ब. सुषिर वाद्य
स. ताल वाद्य
द. घन वाद्य

RAJASTHAN CLASSES

स)अर्थात तार से बने वाद्य तत वाद्य होते है

11. तत वाद्य में सबसे सर्वश्रेष्ट वाद्य है-

अ. इकतारा
ब. रावणहत्था
स. जन्तर
द. सारंगी

RAJASTHAN CLASSES

द)सागवान की लकड़ी की,वादन-गज से,
लंगा गायक सर्वाधिक प्रयोग,

12. निम्न में से ततवाद्य है-

अ. चिकारा

ब. भपंग

स. कमायचा

द. उपर्युक्त सभी

THAN CLASSES

द)चिकारा-कैर की लकड़ी से अलवर [redacted]

भपंग-डमरू के समान अलवर के जोगी जाति

कमायचा-मंगनियार सर्वाधिक प्रयोग

13. मेवों के भाटो का प्रमुख वाद्य है-

अ. कमायचा
ब. अलगोजा
स. सुरिन्दा
द. सुरमंडल

RAJASTHAN CLASSES

स)अलवर व् टोंक में प्रसिद्ध है,तत वाद्य

14. रबाज किस वाद्य यन्त्र की तरह होता है जो तत वाद्य है-

अ. कामायचा
ब. रावणहत्था
स. गुजरी
द. मशक

RAJASTHAN CLASSES

अ)नाखुनो से बजाय जाता है,
रम्मत लोक नाट्य में उपयोगी,
पाबूजी की गाथा में भील व् नायक जाति प्रयोग लेते है,

15 बिस्मिला खान किसके प्रमुख वादक है-

अ. जंतर
ब. रावणहत्था
स. बांसुरी
द. शहनाई

RAJASTHAN CLASSES

द)सुषिर में सर्वश्रेष्ठ,मांगलिक व्
सुरीला वाद्य,शीशम व् सागवान का बना

16. निम्न में से सुषिर वाद्य है-

अ. अलगोजा
ब. सुरिन्दा
स. दुकाको
द. उपर्युक्त सभी

RAJASTHAN CLASSES

रामनाथ चौधरी

अ)राज्य वाद्य तंत्र है,मीणाओ में प्रचलन,
दुकाको-तत-भीलो का वाद्य
सुरिन्दा-तत वाद्य,लंगा का वाद्य,

17. कालबेलियो में अधिक प्रचलन है वो कौनसा वाद्य यन्त्र है-

अ. अलगोजा
ब. शहनाई
स. मोरचंग
द. पुंगी

RAJASTHAN CLASSES

द)सुषिर वाद्य,बीन भी कहते है,सांप को मोहित करने क लिए अद्भुत शक्ति होती है

18. निम्न में से किस नृत्य का प्रमुख वाद्य चंग होता है-

अ. गैर नृत्य
ब. ढोल नृत्य
स. चंग नृत्य
द. अग्नि नृत्य

RAJASTHAN CLASSES

स) अन्नद्य व ताल वाद्य है,दूसरा नाम-ढप है!
दाएं हाथ की थाप से,होली के दिनों

19. सुरनाई किस प्रकार का वाद्य है-

अ. तत वाद्य

ब. ताल वाद्य

स. सुषिर वाद्य

द. घन वाद्य

RAJASTHAN CLASSES

स)मांगलिक अवसरों पर ढोली व् लंगा द्वारा बजाया जाता है
नागफनी, तुरही ,बाकियां, सभी सुषिर वाद्य है

20. सतारा कैसा वाद्य यन्त्र है-

अ. सुषिर

ब. तत

स. ताल

द. कोई नही

RAJASTHAN CLASSES

अ)अलगोजा बांसुरी व् शहनाई का समन्वित रूप, जैसलमेर व् बाड़मेर में प्रसिद्ध,

21. रणभेरी वाद्य का अन्य नाम है-

अ. घूमरा
ब. भूंगल
स. नड
द. करणा

RAJASTHAN CLASSES

ब)सुषिर, मेवाड़ के भवाइयो का वाद्य
,बिगुल की तरह ये भी रण का वाद्य यन्त्र रहा

22. निम्न में से कौनसे वाद्य सुषिर वाद्य की श्रेणी में नही आते-

अ. सुरनाई,नागफनी,नड

ब. तुरही,करणा,पूंगी,मोरचंग

स. बाँकिया,मशक,सतारा

द. झांझ, करताल, घंटा

RAJASTHAN CLASSES

द)घन वाद्य

23.चमड़े से मढ़े हुए वाद्य को क्या कहते है-

अ. अवनद्य वाद्य

ब. तत वाद्य

स. सुषिर वाद्य

द. घन वाद्य

RAJASTHAN CLASSES

अ)ताल भी,

24. लेजिम किस जाति का वाद्य यंत्र है-

अ. कथोडी

ब. भील

स. कालबेलिया

द. गरासिया

RAJASTHAN CLASSES

द)घन वाद्य

बांस का धनुषाकार टुकड़ा और जंजीर में पीतल की छोटी छोटी गोलाकार पतियाँ ,गरासिया नृत्य में बजाते है

25. घेरा व डफ वाद्य निम्न में से है-

अ. तत वाद्य
ब. सुषिर वाद्य
स. घन वाद्य
द. ताल वाद्य

RAJASTHAN CLASSES

द)अवनद्य
घेरा-फाग व् होली के गीतों हेतु प्रयुक्त,डफ की तरह
डफ-बकरे की खाल से,डंडे से बजाते,होली के अवसर पर

26. पाबूजी के पवाडे गायन के समय बजाए जाने वाले वाद्य का नाम-

अ. माटे

ब. डफ

स. तासा

द. करताल

RAJASTHAN CLASSES

अ)ताल वाद्य,पाबूजी के माटे नाम से प्रसिद्ध,
मिति के बड़े बर्तनों पर खाल मढ़कर,
थोरी व् नायक जाति उपयुक्त लेती है

27. करताल निम्न में से कौनसा वाद्य है-

अ. सुषिज वाद्य

ब. घन वाद्य

स. अवनद्य

द. उपर्युक्त सभी

RAJASTHAN CLASSES

ब) अंगुलियों और अंगूठे के बीच पहनकर बजाया जाता ह,

संतो के बजन कीर्तन में उपयोगी,2 चोकोर लकड़ी के टुकडो के बीच में पीतल की गोल गोल तश्तरिया लगी होती है

28. निम्न में से लोक वाद्य नही है-

अ. चिमटा
ब. धौंसा
स. तासा
द. स्वांग

RAJASTHAN CLASSES

द)चिमटा-घन वाद्य,
धौंसा-ताल वाद्य,तासा-ताल वाद्य

29. निम्न में से घन वाद्य नही है-

अ. कमर, डैरू

ब. करताल,झालर

स. झांझ,चिमटा

द. घुंघरू, रमझोल

RAJASTHAN CLASSES

अ)अवनद्य वाद्य,

30 निम्न में से असंगत है-

अ. भपंग

ब. तंदूरा

स. मोरचंग

द. गुजरी

RAJASTHAN CLASSES

स) मोरचंग-सुषिर वाद्य है ,
बाकि सभी तत वाद्य है|

31. निम्न में से असुमेलित है-

अ. तत वाद्य- रावणहत्था

ब. सुषिर वाद्य- पूंगी

स. ताल वाद्य- मृदंग

द. घन वाद्य- खंजरी

RAJASTHAN CLASSES

द)अवनद्य है खंजरी

32. झांझ किस नृत्य में बजाया जाता है-

अ. कच्छी घोड़ी

ब. गरबा नृत्य

स. होली नृत्य

द. गौर नृत्य

RAJASTHAN CLASSES

अ)घन वाद्य,कच्छी घोड़ी-शेखावाटी का नृत्य, मंजीरे की बडी अनुकृति होती है!

33. डमरू किसका वाद्य यन्त्र है-

अ. भगवान विष्णु

ब. भगवान शिव

स. पार्वती

द. सरस्वती

RAJASTHAN CLASSES

ब)अधिकतर मदारी लोगो के पास
दोनों और चमडा मढा होता है,छोटे रूप को डुग्गी- डुग्गी कहते है

34. तासा वाद्य यन्त्र मुख्यत कौनसा समुदाय में उपयोग लिया जाता है-

अ. जैन समुदाय

ब. मुस्लिम समुदाय

स. आदिवासियों द्वारा

द. इनमे से कोई नही

RAJASTHAN CLASSES

ब)

35. किस वाद्य यन्त्र का दूसरा नाम टामरू है-

अ. दमामा

ब. डफ

स. मंजीरा

द. कमर

RAJASTHAN CLASSES

RAJASTHAN CLASSES

अ)नगाड़े की तरह,कढाई के आकार का,बिनसे की खाल पर,युद्ध के वाद्यों के साथ बजाया जाता था

36. राजस्थान का राज्यवाद्य है -

अ. इकतारा
ब. अलगोजा
स. नौबत
द. ताशा

Ans. ब) यह एक बांसुरी की तरह होता है| इसमें सात एवं चार छिद्र होते है| दो अलगोजे एक साथ मुंह में रखकर इसे बांसुरी की तरह बजाया जाता है| बांस की नली से बनाया जाता है|

37. निम्न में से कौनसा तत् वाद्य नहीं है-

अ. रावणहत्था

ब. जन्तर

स. बाँकिया

द. कामायचा

Ans. स) बाँकिया यह एक सुषिर वाद्य है| जो की फूंक से बजाया जाता है|

38. चौतारा, कामायचा कौनसे लोकवाद्य परम्परा से जुड़े है-

अ. सुषिर वाद्य

ब. तत् वाद्य

स. घन वाद्य

द. उपरोक्त सभी

Ans. ब) तत् वाद्य में जैसे- रावणहत्था, चौतारा, कामायचा, सारंगी, जन्तर, तंदूरा, चिकारा, इकतारा, सुरिन्दा इत्यादि|

39. किस वाद्ययंत्र का प्रयोग डूंगरजी-जवाहरजी के भोपे कथाएँ बांचते समय करते है ?

अ. रावण हत्था

ब. मादल

स. इकतारा

द. सारंगी

Ans. अ) पाबूजी के अनुयायी थोरिया भोपे भी इसका प्रयोग करते है|

40. निम्न में से कौनसा तत् वाद्य नहीं है-

अ. भपंग

ब. दुकाका

स. जन्तर

द. नागफणी

Ans. द) नागफणी यह एक सुषिर वाद्य है| साधु सन्यासियों का यह एक धार्मिक वाद्य है|

41. कौनसा सुषिर वाद्ययंत्र नहीं है-

अ. सतारा

ब. मोरचंग

स. सुरमंडल

द. मुरली

Ans.स) सुरमंडल यह एक तत् वाद्य है|

42. राजस्थान के किस लोकवाद्य को ज्यूज हार्प भी कहा जाता है ?

अ. मोरचंग

ब. अलगोजा

स. सतारा

द. रावण हत्था

Ans. अ)

43. निम्न में कौनसा युग्म सही नहीं है-

अ. खड़ताल – घन वाद्य

ब. रबाब – घन वाद्य

स. बाँकिया – सुषिर वाद्य

द. डेरू – अवनद्ध वाद्य

Ans. ब) रबाब- तत् वाद्य है|

44. मुहर्रम के अवसर पर प्रयोग में लिया जाने वाला प्रसिद्ध वाद्ययंत्र कौनसा है ?

अ. नगाड़ा
ब. ताशा
स. मादल
द. मंझीरा

Ans. ब) ताशा- यह एक अवनद्ध (ताल) वाद्य है|

Q. वाद्ययंत्र ‘टामक’ का संबंध किस क्षेत्र से है

अ. मेवात

ब. मारवाड़

स. मेरवाड़ा

द. मेवाड़

Ans. अ) यह मुख्य रूप से मेवात क्षेत्र में युद्ध के वाद्यों के साथ बजाया जाता है|

Q. ‘तारपी’ वाद्ययंत्र का प्रयोग मुख्यत: किस जाति के द्वारा किया जाता है ?

अ. कथोडियो

ब. गुजरो

स. नटों

द. जोगियों

Ans. अ) यह सुषिर श्रेणी का वाद्य है| कथोड़ी जनजाति के लोकवाद्य यंत्र- गोरिडिया, तारपी, थालीसर, घोरिया, पावरी, टापरा|

Q. निम्न में से कौनसा वाद्ययंत्र राजस्थान के तेरहताली नृत्य में काम नहीं आता है ?

अ. मंजीरा

ब. तंदूरा

स. चौतारा

द. डेरू

Ans. द)

Q. घूमर नृत्य के समय कौनसे वाद्ययंत्रो की आवश्यकता होती है ?

अ. ढोलक एवं वीणा

ब. मंजीरा एवं वीणा

स. केवल ढोलक

द. ढोलक एवं मंजीरा

Ans. द)

Q. लोकवाद्य यंत्र ‘भपंग’ राजस्थान के किस क्षेत्र से सम्बंधित है ?

अ. मेवात

ब. मेवाड़

स. मारवाड़

द. मेरवाड़ा

Ans. अ) इसे मुख्यतया अलवर क्षेत्र के जोगी बजाते है|

Q. मारवाड़ के जोगियों द्वारा गोपीचंद एवं निहालदे आदि के ख्याल गाते समय निम्न में से किस वाद्य का प्रयोग किया जाता है ?

अ. चंग

ब. सारंगी

स. सतारा

द. अलगोजा

Ans. ब) सारंगी लकड़ी से निर्मित होती है, इसमें कुल 27 तार होते है| इसका प्रयोग मुख्य रूप से जैसलमेर एवं बाड़मेर की लंगा जाति द्वारा किया जाता है|

Q. अलवर-भरतपुर के जोगियों द्वारा किस प्रकार की सारंगी बजाई जाती है ?

अ. जोगिया सारंगी
ब. सिन्धी सारंगी
स. जड़ी की सारंगी
द. गुजरातनी सारंगी

Ans. अ) सारंगी के विभिन्न प्रकार – अगले पेज में

सारंगी के विभिन्न प्रकार

धनी सारंगी- इसे निहालदे की कथा सुनाने वाले जोगी बजाते है|
गुजरातनी सारंगी- इसे लंगा जाति के गायकों द्वारा प्रयुक्त किया गया है|
जोगिया सारंगी- अलवर, भरतपुर के भरथरी जोगियों द्वारा प्रयुक्त किया गया है|
सिन्धी सारंगी- पश्चिमी राजस्थान के पेशेवर लंगा भोपो द्वारा बजाई जाती है|
जड़ो की सारंगी या प्यालेदार सारंगी- जैसलमेर के मांगणियारों द्वारा प्रयुक्त किया गया है|

Q. करणाभील किस वाद्य का प्रसिद्ध वादक था

अ. नड़

ब. मोरचंग

स. सतारा

द. करणा

Ans. अ) करणाभील इसका प्रसिद्ध वादक था| यह वाद्ययंत्र मुख्य रूप से जैसलमेर में बजाया जाता है|

Q. ‘घुरालियौ’ क्या है-

अ. एक नृत्य शैली

ब. कालबेलियों का वाद्ययंत्र

स. आदिवासी भीलों का वाद्ययंत्र

द. लोक नाट्य

Ans. ब) इसे दांतों के बीच दबाकर धागे को ढील व तनाव देकर बजाया जाता है| कालबेलिया एवं गरासिया जनजाति का प्रमुख वाद्य|

Q. राजस्थान का एकमात्र ऐसा वाद्ययंत्र जिसकी डोरी में तनाव के लिए पखावज की तरह लकड़ी के गुटके डाले जाते है -

अ. ताशा

ब. रावलों का मादल

स. ढाका

द. अलगोजा

Ans. ब) यह वाद्य केवल चारणों के रावलों के पास उपलब्ध है|

Q. राजस्थान में कामड़ जाति के लोगों द्वारा निम्न में से कौनसा संगीत वाद्य बजाया जाता है ?

अ. तंदूरा
ब. सुरिंदा
स. गुजरी
द. कोई नहीं

Ans. अ) यह वाद्ययंत्र लकड़ी से बना होता है, जिस पर 4 तार लगे होते है इसलिए इन्हें 'चौतारा' वाद्ययंत्र भी कहा जाता है| यह एक अंगुली से बजाया जाता है|

Q. मुंह के द्वारा बजाए जाने वाले वाद्ययंत्रों में निम्न में से कौनसा नहीं है -

अ. अलगोजा

ब. सतारा

स. मशक

द. रवाज

Ans. द) रवाज/रबाज यह एक तत् वाद्ययंत्र है|

Q. सिंगी और टोटा लोकवाद्य किस परम्परा से संबंद्ध है -

अ. तत् वाद्य

ब. सुषिर वाद्य

स. अवनद्ध वाद्य

द. घन वाद्य

Ans. ब)

Q. रामनाथ चौधरी का सम्बन्ध किस वाद्ययंत्र से है -

अ. ढोलक
ब. अलगोजा
स. पूंगी
द. उपरोक्त सभी

Ans. ब) जयपुर के पदमपुरा गाँव निवासी रामनाथ चौधरी नाक से अलगोजा बजाते है|

Q. निम्न में से सुमेलित नहीं है- (वाद्य-जाति)

अ. सारंगी – लंगा

ब. पूंगी – कालबेलिया

स. कामायचा – गुजर

द. रावणहत्था- भोपे

Ans. स) कामायचा- मांगणियार जाति|

Q. राजस्थान के प्रसिद्ध पखावज वादक है ?

अ. पं. रामनारायण

ब. पं. पुरुषोत्तमदास

स. उस्ताद असदअली खां

द. उस्ताद हिदायत खां

Ans. ब) नाथद्वारा निवासी| भारत सरकार ने इन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया|

Q. झांझ एवं रमझोल वाद्ययंत्र है -

अ. तत् वाद्य

ब. घन वाद्य

स. अवनद्ध वाद्य

द. सुषिर वाद्य

Ans. ब) घन वाद्य प्रमुख रूप से धातु से निर्मित होते है| जो- मंजीरा, झांझ, खड़ताल, रमझोल, घुरालियौ इत्यादि|

Q. निम्न में से असुमेलित है –

वाद्ययंत्र - प्रख्यात कलाकार

अ. भपंग - जहूर खां

ब. नड़ - करणा भील

स. अलगोजा- रामनाथ चौधरी

द. खड़ताल- पुरुषोत्तमदास

Ans. द) खड़ताल- सदीक खां

RAJASTHAN CLASSES

⇒ अवनद्ध या ताल वाद्य ⇐

श्रेणी: चमड़े से मढ़े हुए तालवाद्य कहलाते है।

ताल वाद्य के लिए हमारी ट्रिक ↓

→ मृदमा डैड ने चंघे तक धौंखा नहीं ढोल दिया

मृ – मृदंग
द – दमामा. (टामक) (टामरु)
मा = मांदल, पाबूजी के माटे, माठ
डै = डैरू,
ड = डफ, डमरू
ने = नौबत, नगाड़ा
चं – चंग, ढफ
घे – घेरा
त – तासा
क – कमर, कुंडी
धौ = धौंसा
खं – खंजरी
ढोल = ढोल, ढोलक, ढाक

RAJASTHAN CLASSES

घन वाद्य

चोट या आघात से स्वर उत्पन्न होते है, वे घन कहलाते है

ट्रिक ⇒ झालर झाँख के पास घघुघघु चिकम की भरणी थी

झा - झालर , ल - लेजिम , र - रमझोल

झाँ = झाँझ ख - खड़ताल

घ - घण्टा , घु - घुंघरू , घ - घड़ा , घुं: घुरालियो

चि - चिमटा , क - करताल म - मंजीरा

भरणी - भरनी थी: थाली

RAJASTHAN CLASSES

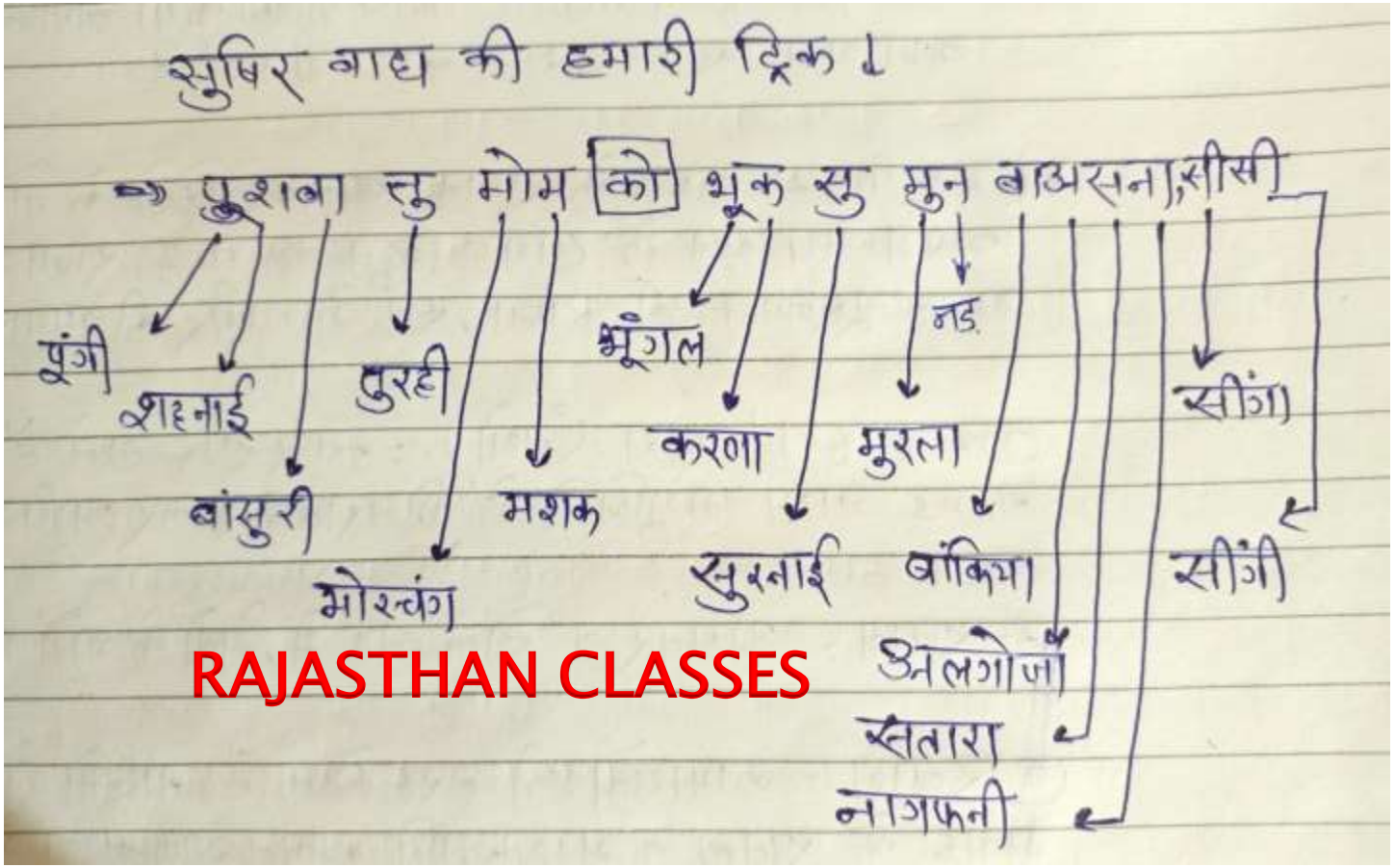

सुषिर वाद्य की हमारी ट्रिक ↓
पुशाबा तु मोम को भूक सु मुन बाअसना,सीसी
पुंगी
शहनाई
बांसुरी
तुरही
मोरचंग
मशक
भूंगल
करणा
सुरनाई
नड
मुरला
बांकिया
अलगोजा
सतारा
नागफनी
सींगा
सींगी
RAJASTHAN CLASSES

Website

YouTube

Instagram

सम्पूर्ण नोट्स PDF
विषयवार ई-बुक
सभी PDF यहां से डाउनलोड करें

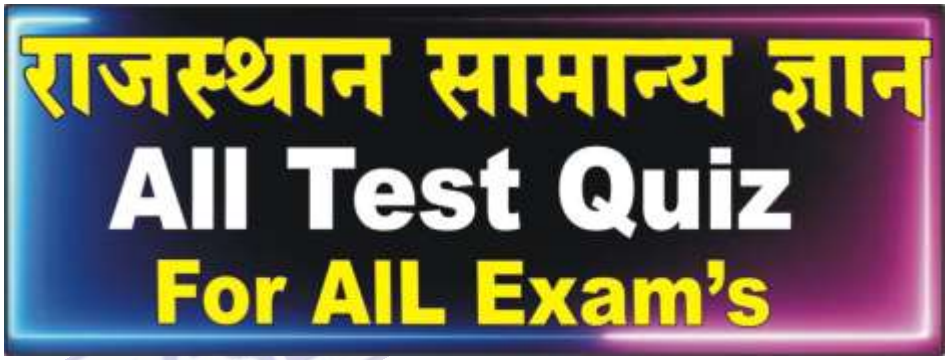
राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AIL Exam's

सामान्य विज्ञान
500 - Questions
PDF डाउनलोड

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी,वनरक्षक,ग्रामसेवक,कृषि पर्यवेक्षक

राजस्थान
360°
Install App :
Rajasthan 360